बिके माथा साटे ओ म्हारी माँ,
या चुनर सतगुरु की।।

चुनर ओढ़ूँ तो कुटुंब लजाए,
चुनर ओढ़ूँ तो कुटुंब लजाए,
नहीं तो ओढ़ूँ तो मन ललचाए,
या चुनर सतगुरु की,
बीके माथा साटे ओ म्हारी माँ,
या चुनर सतगुरु की।।

चुनर छोड़ूं तो सतगुरु लाजे,
चुनर छोड़ूं तो सतगुरु लाजे,
म्हारो मनक जमारो भी लजाए,
या चुनर सतगुरु की,
बीके माथा साटे ओ म्हारी माँ,
या चुनर सतगुरु की।।

चुनर ओढ़ूँ ने पियर छोड़ूं,
चुनर ओढ़ूँ ने पियर छोड़ूं,
म्हारा सासरिया रो सिंगार,
या चुनर सतगुरु की,
बीके माथा साटे ओ म्हारी माँ,
या चुनर सतगुरु की।।

बिके माथा साटे ओ म्हारी माँ,
या चुनर सतगुरु की।।

स्वर संत श्री कमल किशोर जी नागर।

Source:
https://www.bharattemples.com/beeke-matha-sate-o-mhari-maa-ya-chunar-satguru-ki/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw